|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 09. August | | | |
| **Fest der heiligen Theresia Benedicta vom Kreuz (Edith Stein)** | | | |
| **Schutzpatronin Europas** | | | |
| Lesung: Est 4,17k.17l-m.17r-t; Evangelium: Joh 4, 19-24 | | | |
|  |  | |  |
| Eröffnung: | GL 81, 1+6 | | Lobet den Herren |
|  | GL 481, 1+4+5 | | Sonne der Gerechtigkeit |
|  |  | |  |
| Kyrie: | GL 163, 6 oder 7 | | Herr Jesus |
|  |  | |  |
| Gloria: | GL 170 | | Allein Gott in der Höh |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | Psalm 18, 2-3.5.7a.17.20.29.50 | | |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 629, 3 | | Ich gehe meinen Weg vor Gott |
|  | oder | |  |
|  | GL 447 (Kanon) | | Die Gott suchen |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 3 |  | |
|  | Vers: |  | |
|  | *So spricht der Herr:* | | |
|  | *Ich bin das Licht der Welt.* | | |
|  | *Wer mir nachfolgt, hat das Licht des Lebens.* | | |
|  |  |  | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 185, 1+2 | Du hast, o Herr, dein Leben | |
|  | GL 364, 1+3+5 | Schönster Herr Jesu | |
|  | GL 470, 1+4+5 | Wenn das Brot, das wir teilen | |
|  | GL 460, 1+2+5 | Wer leben will | |
|  |  |  | |
| Sanctus: | GL 195 | Heilig | |
|  |  |  | |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes | |
|  |  |  | |
| Danksagung: | GL 439, 1-4 | Erhör, o Gott, mein Flehen | |
|  |  | (Text ist E. Stein zugeschrieben) | |
|  | Vorschlag, wenn Lied unbekannt: | | |
|  | GL 365 | „Meine Hoffnung“ als Kehrvers | |
|  | zwischen den gesprochenen Strophen des Liedes GL 439 | | |
|  |  |  | |
| Schluss: | GL 777, 1+4!+5 | Kommt, lasst uns | |